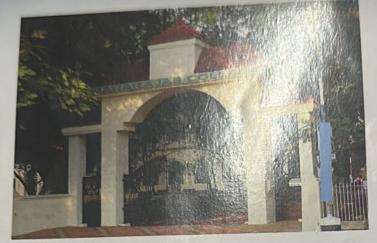
Workshops/Seminars Conducted during the year 2022-23 **Department of Hindi**





स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग एवं शोध केन्द्र महाराजा कॉलेज (सरकारी स्वायत्त) एरणाकुलम भारतीय साहित्य प्रतिष्ठान, कोच्ची

बीज भाषण प

के माध्यम से हाना गर

भनितक स्तर भर

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

फणीश्वरनाथ रेणुः आज 2022 सितंबर 28, 29 और 30 मलयालम सभागार, महाराजा कॉलेज

Absolute Copying

मित्रो

श्री फणीश्वरनाथ रेणु हिन्दी के अद्भुत कथाकार थे जिन्होंने भारत के ग्रामांचलों के धुन, गंध, लय, ताल, सुर, सुन्दरता और कुरूपता को शब्दों में बांधकर यथार्थवादी साहित्य को नया रूप प्रदान किया था। रेणु की जन्मशती के सिलसिले में महाराजा सरकारी स्वायत्त कॉलंज एरणाकुलम और भारतीय साहित्य प्रतिष्ठान कोच्ची के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 2022 सितंबर 28, 29 और 30 को संपन्न होनेवाली है। संगोष्ठी का विषय है - 'फणीश्वरनाथ रेणुः आज'। आजकल पत्रिका के संपादक एवं विख्यात रचनाकार श्री राकेशरेणु जी संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए बीजभाषण देंगे। प्रस्तुत संगोष्ठी में आप सबका सहयोग सादर आमंत्रित है।

डॉ. मधु वासुदेवन डॉ. के. वनजा अध्यक्ष, हिन्दी विभाग सचिव महाराजा कॉलेज भारतीय साहित्य प्रतिष्ठान एरणाकुलम कोच्ची आर. कुरुप संयोजक महाराजा कॉलेज, एरणाकुलम

मुख्य विषय विशेषज्ञ

डॉ. राकेश रेणु, संपादक, आजकल पत्रिका, दिल्ली डॉ. एन. मोहनन, भारतीय साहित्य प्रतिष्ठान, कोच्ची डॉ. के. वनजा, भारतीय साहित्य प्रतिष्ठान, कोच्ची डॉ. प्रमोद कोवप्रत्त, कालिक्कट विश्वविद्यालय,

कालिक्कट्

डॉ. एस.आर. जवश्री, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनन्तपुरम डॉ. हेरमन पी. जे, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनन्तपुर

डॉ. हेरमन पी. जे, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनन्तपुरम डॉ. वासन्ती जे, सरकारी ब्रण्णन कॉलेज, तलश्शेरी डॉ. प्रीती, कण्णूर विश्वविद्यालय, कण्णूर डॉ. प्रतिभा पी. के, एस.एन.एम सरकारी महाविद्यालय,

डॉ. दीपक के. आर, केरल विश्वविद्यालय

तिरुवननपुरम **डॉ. राजन टि. के,** केरल विश्वविद्यालय,

तिरुवनन्तपुरम

महाराजा कॉलेज

हिन्दी विभाग

महाराजा कॉलेज का हिन्दी विभाग केरल के सबसे नामी विभागों में एक हैं, जो पिछले पचास सालों से केरल के हिन्दी क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यहाँ बी.ए. हिन्दी और एम.ए. हिन्दी की शिक्षा चल रही है। यह विभाग महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय का सबसे बडा शोध केन्द्र है। यहाँ तीस से ज़्यादा शोध निदेशक काम कर रहे हैं और सैकडों शोधछात्र भी है। केरल के हिन्दी क्षेत्र के कई नामी अध्यापक इस विभाग के योगदान है।

